**भारत सरकार**

**मानव संसाधन विकास मंत्रालय**

**स्कूल शिक्षा और साक्षरता विभाग**

**राज्य सभा**

**अतारांकित प्रश्न संख्याः 2126**

उत्तर देने की तारीखः 12.05.2016

**शिक्षकों के रिक्त पद**

**2126. श्रीमती वंदना चव्हाणः**

क्या **मानव संसाधन विकास मंत्री** यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) सरकारी स्कूलों में शिक्षकों के कितने पद रिक्त हैं, तत्संबंधी राज्य-वार ब्यौरा क्या है;

(ख) इन रिक्तियों को शीघ्रातिशीघ्र भरने के लिए सरकार किन कदमों को उठाना सुनिश्चित कर रही है;

(ग) क्या सरकार ने इस तथ्य पर ध्यान दिया है कि नियुक्त किए गए कई शिक्षकों में विद्यार्थियों को पढ़ाने के लिए आधारभूत अर्हता की कमी है और बड़ी संख्या में शिक्षक अनुपस्थित भी रहते हैं; और

(घ) इस संबंध में सरकार ने क्या कार्रवाई की है?

**उत्तर**

**मानव संसाधन विकास मंत्री**

**)श्रीमती स्मृति ज़ूबिन इरानी)**

(क) और (ख): अध्‍यापकों की भर्ती और सेवा शर्तें मुख्‍यत: राज्‍य सरकारों/संघ राज्‍य क्षेत्रों के क्षेत्राधिकार में आती है। केन्‍द्र सरकार, राज्‍य सरकारों/संघ राज्‍य क्षेत्र प्रशासनों को उनकी आवश्‍यकता के अनुसार समुचित छात्र-शिक्षक अनुपात बनाए रखने के लिए अतिरिक्‍त शिक्षकों हेतु सहायता प्रदान करती है। इसके अतिरिक्‍त, केन्‍द्र सरकार विभिन्‍न बैठकों, राज्‍य शिक्षा सचिवों के सम्‍मेलनों, संयुक्‍त समीक्षा मिशनों (जेआरएम) में राज्‍यों/संघ राज्‍य क्षेत्रों को समय पर शिक्षकों की भर्ती और नियुक्ति करने की सलाह देती है। शिक्षकों की रिक्‍तियों का राज्‍य-वार विवरण अनुबंध में दिया गया है।

(ग) और (घ): केन्‍द्र सरकार ने अध्‍यापक शिक्षा और अर्हता के लिए राष्ट्रीय स्‍तर पर शैक्षिक प्राधिकरण के रूप में राष्‍ट्रीय अध्‍यापक शिक्षा परिषद (एनसीटीई) को अधिसूचित किया है। एनसीटीई ने नि:शुल्‍क और अनिवार्य बाल शिक्षा का अधिकार (आरटीई) अधिनियम, 2009 के अनुसार अध्‍यापक अर्हताएं निर्धारित की हैं। इसने यह भी अनिवार्य बनाया है कि एनसीटीई द्वारा निर्धारित अध्‍यापक अर्हता रखने वाले सभी व्‍यक्तियों को अध्‍यापक पात्रता परीक्षा (टीईटी) भी उत्‍तीर्ण करनी होगी। एनसीटीई द्वारा उठाए गए इन दो कदमों को शिक्षा की गुणवत्‍ता पर प्रभाव डालने के लिए शिक्षण के मानकों में सुधार करने के प्रयास के रूप में देखा जा रहा है।

एसएसए के तहत, राज्‍यों को एनसीटीई से अनुमोदन प्राप्‍त होने के पश्‍चात् अप्रशिक्षित शिक्षकों के प्रशिक्षण के लिए केन्‍द्र सरकार द्वारा निधियां प्रदान की जाती हैं।

इसके अलावा, सर्व शिक्षा अभियान (एसएसए) के तहत राज्‍य सरकारों और संघ राज्‍य क्षेत्र प्रशासनों को नियमित सेवाकालीन अध्‍यापक प्रशिक्षण, नए भर्ती किए गए अध्‍यापकों के लिए प्रवेश प्रशिक्षण, सभी अप्रशिक्षित अध्‍यापकों को व्‍यावसायिक योग्‍यता प्राप्‍त करने के लिए मुक्‍त दूरस्‍थ शिक्षा (ओडीएल) प्रणाली के जरिए प्रशिक्षण, ब्‍लॉक तथा क्लस्‍टर संसाधन केंद्रों के माध्‍यम से अध्‍यापकों को शैक्षिक सहयोग, छात्रों के कार्य निष्‍पादन का आकलन करने और जहां कहीं आवश्‍यक हो, सुधारात्‍मक कार्रवाई करने के लिए अध्‍यापकों को सतत तथा व्‍यापक मूल्‍यांकन (सीसीई) प्रणाली से कुशल बनाने सहित अध्‍यापन स्‍तर में सुधार से संबंधित अनेक प्रयासों के लिए सहयोग दिया जाता है तथा समुचित अध्‍यापन-अधिगम सामग्री आदि के विकास के लिए स्‍कूल अनुदान प्रदान किया जाता है।

अध्‍यापकों की उपस्थिति में सुधार लाने के लिए उठाए गए कदमों में, अन्‍य बातों के साथ-साथ स्‍कूल प्रबंधन समिति/स्‍कूल प्रबंधन विकास समिति/ब्‍लॉक संसाधन केन्‍द्रों/क्लस्‍टर संसाधन केन्‍द्रों के माध्‍यम से और कुछ प्रायोगिक मामलों इत्‍यादी में बायोमेट्रिक उपस्थिति प्रणाली की स्‍थापना द्वारा अध्‍यापकों की उपस्थिति की निगरानी करना शामिल है।

केंद्र सरकार ने अध्‍यापकों, अध्‍यापन, अध्‍यापक तैयार करने, व्‍यावसायिक विकास, पाठ्यचर्या डिजाइन, शिक्षाशास्‍त्र में शोध तथा कारगर शिक्षण पद्धति विकसित करने से संबंधित सभी मुद्दों के व्‍यापक समाधान के उद्देश्‍य से दिसम्‍बर, 2014 में ‘पंडित मदन मोहन मालवीय राष्‍ट्रीय अध्‍यापक तथा अध्‍यापन मिशन’ का शुभारंभ किया है।

अभी हाल ही में दिनांक 08.02.2016 को विज्ञान भवन, नई दिल्‍ली में अध्‍यापक शिक्षा पर आयोजित शिक्षा मंत्रियों की बैठक में शिक्षा की गुणवत्‍ता में सुधार के अनेक कदमों पर चर्चा की गई थी। इनमें सरकारी स्‍कूलों में अध्‍यापक शिक्षा कार्यक्रमों के लिए इंटर्नशिप, अध्‍यापक शिक्षा संस्‍थानों के वास्‍ते प्रत्‍यायन फ्रेमवर्क का विकास तथा सेवानिवृत्‍त अध्‍यापकों की स्‍वैच्‍छिक सेवाएं शामिल हैं।

**\*\*\*\*\***

**अनुबंध**

**शिक्षकों के रिक्त पद के संबंध में श्रीमती वंदना चव्हाण द्वारा दिनांक 12.05.2016 को राज्य सभा में पूछे जाने वाले अतांराकित प्रश्न सं. 2126 के भाग (क) और (ख) के उत्तर में उल्लिखित अनुबंध**

**शिक्षकों के रिक्त पदों की स्थिति**

|  |  |  |  |  |  |
| --- | --- | --- | --- | --- | --- |
| **क्र. सं.** | **राज्य / संघ राज्य क्षेत्र** | **प्राथमिक शिक्षकों के रिक्त पद \*** | **कुल स्वीकृत पदों की तुलना में प्रारंभिक शिक्षकों की रिक्तियों का प्रतिशत** | **माध्यमिक शिक्षकों के रिक्त पद \*\*** | **कुल स्वीकृत पदों की तुलना में माध्यमिक शिक्षकों की रिक्तियों का प्रतिशत** |
| 1 | अंडमान और निकोबार द्वीप समूह | 295 | 7.84% | 0 | 0% |
| 2 | आंध्र प्रदेश | 17,128 | 11.64% | 24 | 1.59% |
| 3 | अरुणाचल प्रदेश | 781 | 5.78% | 5360 | 7.98% |
| 4 | असम | 34,573 | 17.14% | NA | 0% |
| 5 | बिहार | 185,316 | 31.27% | 18,793 | 38.10% |
| 6 | चंडीगढ़ | 2164 | 40.52% | 8946 | 32.57% |
| 7 | छत्तीसगढ़ | 30,925 | 12.78% | 0 | 0% |
| 8 | दादरा एवं नागर हवेली | 298 | 16.52% | 60 | 16.04% |
| 9 | दमन और दीव | 59 | 9.82% | 0 | 0% |
| 10 | दिल्ली | 15,411 | 27.97% | 2267 | 14.39% |
| 1 1 | गोवा | 0 | 0.00% | 0 | 0% |
| 12 | गुजरात | 9937 | 4.40% | 993 | 34.18% |
| 13 | हरियाणा | 11823 | 16.87% | 1687 | 7.87% |
| 14 | हिमाचल प्रदेश | 1609 | 3.25% | 411 | 3.49% |
| 15 | जम्मू और कश्मीर | 6766 | 7.36% | 21,148 | 84.41% |
| 16 | झारखंड | 79,594 | 41.41% | 5558 | 27.47% |
| 17 | कर्नाटक | 19,486 | 8.36% | 8205 | 15.56% |
| 18 | केरल | 1100 | 0.87% | 863 | 4.76% |
| 19 | लक्षद्वीप | 48 | 6.50% | 0 | 0% |
| 20 | मध्य प्रदेश | 42,684 | 11.76% | 10,614 | 17.87% |
| 21 | महाराष्ट्र | 6240 | 2.07% | 0 | 0% |
| 22 | मणिपुर | 364 | 1.93% | 18 | 3.99% |
| 23 | मेघालय | 889 | 3.94% | 0 | 0% |
| 24 | मिजोरम | 944 | 7.55% | 48 | 2.16% |
| 25 | नगालैंड | 317 | 1.87% | 598 | 26.03% |
| 26 | ओडिशा | 3366 | 1.47% | 7435 | 17.37% |
| 27 | पुद्दुचेरी | 729 | 18.75% | 154 | 10.74% |
| 28 | पंजाब | 21,415 | 22.42% | 4121 | 13.39% |
| 29 | राजस्थान | 24,199 | 8.69% | 4874 | 5.95% |
| 30 | सिक्किम | 0 | 0.00% | 64 | 3.96% |
| 31 | तमिलनाडु | 1473 | 0.90% | 4465 | 6.84% |
| 32 | तेलंगाना | 13049 | 13.38% | 3549 | 7.31% |
| 33 | त्रिपुरा | 262 | 0.76% | 1891 | 26.14% |
| 34 | उत्तर प्रदेश | 214,148 | 28.18% | 8871 | 55.45% |
| 35 | उत्तराखंड | 6708 | 14.57% | 4679 | 21.56% |
| 36 | पश्चिम बंगाल | 79,877 | 17.56% | 57,172 | 38.52% |
|  | **कुल** | **833,977** | **16.14%** | **182,868** | **21.28%** |

*\* स्रोत: पीएबी कार्यवृत्त सर्व शिक्षा अभियान 2015-16*

*\*\* स्रोत: पीएबी कार्यवृत्त आरएमएसए 2015-16*